**26. भूल के अधीन संदाय किये गये धन की वसूली के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

अबक ........ वादी

बनाम

कखग ................... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है –**

1. यह कि.......... की फर्म का एक भागीदार है जिसका ............................... वादी भी एक भागीदार है। उपर्युक्त फर्म ने एक महीने के अन्दर पश्चात् संदाय किया जाने के लिए .........रुपये के मूल्य के लिए क्रेडिट पर र ............ टन चावल ग्रहण किया था।
2. यह कि तारीख ............................... वादी ने प्रतिवादी को चावल का मूल्य, उपर्युक्त रकम का संदाय ....................... से वापस होने के दौरान किया और तारीख ......................... को वादी ने ..................................... द्वारा किये गये पूर्ववर्ती संदाय की जानकारी रखे बिना भूल के अधीन कथित रकम का कभी संदाय किया और प्रतिवादी की मुनीम ने भी पूर्ववर्ती संदाय के बारे में वादी से नहीं कहा करता।
3. यह कि वादी ने एक रजिस्ट्रीकृत पत्र के माध्यम से कथित रकम की वापसी की मांग की जिसको ........ को प्रतिवादी द्वारा प्राप्त किया गया लेकिन प्रतिवादी ने रकम को नहीं वापस किया।
4. यह कि वाद हेतुक तारीख ........ .......... को इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर पैदा हुआ जब वादी ने प्रतिवादी को गलती के अधीन रकम का संदाय किया।
5. यह कि वाद का मूल्यांकन भूल के अधीन संदाय की गयी रकम...................... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय-फीस का संदाय उसी पर किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी प्रतिवादी सेरुपये तथा वाद को दाखिल करने की तारीख से संदाय किये जाने तक ब्याज के संदाय का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी